समेकित बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग

Integrated Child Development Services

जनपद — गौतमबुद्धनगर

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, ।

Integrated Child Development Services

टेक होम राशन आंगनबाडी केन्द्रों पर टेक होम राशन (माह की *5, 15 व 25* तारीख को

- आंगनबाडी केन्द्रों पर टेक होम राशन (माह की *5, 15 व 25* तारीख को), मार्निंग स्नैक/ हाट कुक्ड् माह में कम से कम 21 दिन प्राप्त होने की समीक्षा करना–
- 07 माह से 03 वर्ष के बच्चों को सामान्य श्रेणी में 120 ग्राम प्रतिदिन प्रति बच्चा (3पैकेट प्रति बच्चा प्रति माह) एवं कुपोषित एवं अतिकुपोषित श्रेणी में 200 ग्राम प्रतिदिन प्रति बच्चा (5पैकेट प्रति बच्चा प्रति माह) पो ाहार के रूप में प्रति को वितरण किया जाता है।
- झ – 03 किशोरियों/गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को 140 ग्राम प्रतिदिन प्रति लाभार्थी वितरण किया जाता है।
- 03 से 06 वर्ष के बच्चें केन्द्र पर आते है उनको मार्निंग स्नैक्स के रूप में 50 ग्राम पोषाहार प्रतिदिन एवं कुपोषित एवं अतिकुपोषित श्रेणी में 75 ग्राम पोषाहार प्रतिदिन दिया जाता है और साथ में *हाट कुक्ड् (गर्म खाना)* दिया जाता है।

स्वास्थ्य प्रतिरक्षण कार्यक्रम

VHND (Wednesday & Saturday of every month) ON ANGANBADI CENTRE

- रोगों को निवारण, स्वास्थ्य प्रतिरक्षण कार्यकम के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं तथा 06 वर्ष तक के बच्चों को डी0पी0टी0, पोलियो, बी0सी0जी0 के टीके लगाने हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कराना।

- रोगों के निवारण, स्वास्थ्य प्रतिरक्षीकरण कार्यकम के अन्तर्गत टीकाकरण हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आशा/ ए0एन0एम0 के साथ समन्वय रखा जाता है तथा जनपद स्तर पर प्रतिरक्षण सम्बन्धी कार्यकमो में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ प्रतिमाह बैठक करके कार्यकमों की संयुक्त समीक्षा की जाती है।

door to door campaign on POLIO AWARENESS

(ECCE DAY)Early Childhood Care and Education Scheme

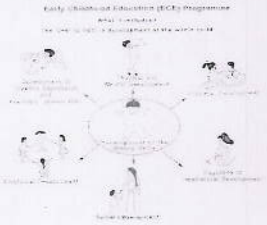

स्कूल पूर्व शिक्षा (PSE)

- स्कूल पूर्व शिक्षा के माध्यम से बच्चों को प्राइमरी शिक्षा के लिए प्रेरित करना एवं सर्व शिक्षा अभियान का सहयोग प्राप्त करना –स्कूल पूर्व शिक्षा के माध्यम से केन्द्रों पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ उनके अभिवावकों को प्राइमरी शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाता है तथा बच्चों का पंजीकरण प्राइमरी स्कूल में शिक्षा विभाग के सहयोग से करा दिया जाता है।

AADHAAR CARD enrollment of 0-5 yr. children

AADHAAR

बाल स्वास्थ्य एवं पोषण माह माह जून एवं दिसम्बर

स्तनपान सप्ताह 1-7 अगस्त

पोषण स्थिति की निगरानी

राज्य पोषण मिशन

- शासन की उच्च प्राथमिकताओ के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15 में *राज्य पोषण मिशन* की शुरूआत की गयी जिसमे जनपद स्तर पर कुपोषण दूर करने हेतु अभियान चलाया गया। इसके अन्तर्गत निम्नवत् कार्य किया जा रहा है।
- जनपद गौतमबुद्धनगर मे जिलाधिकारी एंव मुख्य विकास अधिकारी सहित जनपद / ब्लाक स्तरीय कुल 40 अधिकारियो द्वारा ग्राम को गोद लेकर पंजीकृत अतिकुपोशित बच्चो एवं नवीन चिन्हीकरण कर अतिकुपोशित बच्चो में सुधार लाते हुए कुपोषण दूर करने हेतु प्रयास किया जा रहा है । जिसमे सभी अधिकारियो के द्वारा गोद ली गई ग्राम सभाओ का नियमित भ्रमण कर आख्या प्रेशित की जा रही है, और निरीक्षण आख्याएँ राज्य पोषण मिशन की बेवसाइट पर प्रत्येक माह अपलोड हो रही है ।

आंगनबाडी केन्द्रों एवं **स्वास्थ्य केंद्रो** द्वारा चिन्हित अतिकुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र (**NRC**) पर अवश्य लाएं जहां बच्चों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा द्वारा ठीक किया जाएगा।

NRC in District

पोषण पुनर्वास केंद्र – निःशुल्क चिकित्सा केंद्र
0 से 5 वर्ष के बच्चों का अस्पताल
सामुदायिक चिकित्सा केंद्र भंगेल,जनपद–गौतमबुद्धनगर
"कुपोाण से अपने बच्चों को बचाएं,
स्वास्थ्य –सुधार हेतु बच्चों को पोषण
–पुनर्वास केंद्र पर लाएं।

डॉक्टरों की टीम द्वारा अतिकुपोशित बच्चों का निःशुल्क इलाज।

भर्ती योग्य बच्चों को निःशुल्क भर्ती करने की सुविधा उपलब्ध है ।

बेटे की आस मे बेटी की बलि मत चढ़ाईये

LAIMER

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के नाम पर चलाई जा रही फर्जी योजनाओं के खिलाफ चेतावनी

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संज्ञान में यह आया है कि कुछ अनाधिकृत साइटेंध्संगठनध्एनजीओध्व्यक्ति 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' योजना के तहत नकद प्रोत्साहन के नाम पर फॉर्म वितरित कर रहे हैं। इस योजना में भारत सरकार की ओर से व्यक्तिगत 'नकद हस्तांतरण घटक' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत सामाजिक व्यवस्था में बेटियों के प्रति रूढ़िवादी मानसिकता बदलना, पीसी और पीएनडीटी अधिनियम को सख्ती से लागू करना और बालिकाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इसके तहत जीवन चक्र निरंतरता के आधार पर महिला सशक्तिकरण से जड़े मुद्दों पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाता है। यह कोई डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) योजना नहीं है।

यह एक अत्यंत गंभीर मसला है और अगर आपको किसी ऐसी घटना के बारे में जानकारी मिलती है तो कृपया इस बारे में निकटतम पुलिस स्टेशन और संबंधित जिला कलेक्टरध्जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करें। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने लोगों को इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों के जाल में न फंसने की सलाह दी है। मंत्रालय ने लोगों को यह भी सलाह दी है कि वे इस संबंध में अपने व्यक्तिगत विवरण को किसी से भी साझा न करें। इस बारे में मेरठ और मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पहले ही एफआईआर दाखिल की जा चुकी हैं। इस तरह का मसला लखनऊ में भी संज्ञान में आया है। उल्लेखनीय है कि इस तरह के फॉर्मों का वितरण पूरी तरह से अवैध है और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत कोई भी नकद प्रोत्साहन किसी भी रूप में जुड़ा हुआ नहीं है।

पोषण स्थिति की निगरानी

राज्य पोषण मिशन

- शासन की उच्च प्राथमिकताओ के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15 में ***राज्य पोषण मिशन*** की शुरूआत की गयी जिसमे जनपद स्तर पर कुपोषण दूर करने हेतु अभियान चलाया गया। इसके अन्तर्गत निम्नवत् कार्य किया जा रहा है।
- जनपद गौतमबुद्धनगर मे जिलाधिकारी एंव मुख्य विकास अधिकारी सहित जनपद / ब्लाक स्तरीय कुल 40 अधिकारियो द्वारा ग्राम को गोद लेकर पंजीकृत अतिकुपोशित बच्चो एवं नवीन चिन्हीकरण कर अतिकुपोशित बच्चो में सुधार लाते हुए कुपोषण दूर करने हेतु प्रयास किया जा रहा है । जिसमे सभी अधिकारियो के द्वारा गोद ली गई ग्राम सभाओ का नियमित भ्रमण कर आख्या प्रेशित की जा रही है, और निरीक्षण आख्याऐं राज्य पोषण मिशन की बेवसाइट पर प्रत्येक माह अपलोड हो रही है ।

बेटे की आस में बेटी की बलि मत चढ़ाईये

बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ

LAIMER

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के नाम पर चलाई जा रही फर्जी योजनाओं के खिलाफ चेतावनी